जिंदल स्टेनलेस ने 2030 तक अपनी स्टेनलेस अकेडमी के जरिये 5 लाख एमएसएमई को प्रशिक्षित और कुशल बनाने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली, **20** नवंबर **2025:** भारत का स्टेनलेस स्टील उद्योग आने वाले कुछ वर्षों में 8-9% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ तेजी से प्रगति करने के लिए तैयार है। बढ़ती मांग और तेजी से हो रहे इनोवेशन की वजह से यह क्षेत्र बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है| ऐसे में एक कुशल भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार कार्यबल की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस *'मेक इन इंडिया'* और *'स्किल इंडिया'* जैसी राष्ट्रीय पहलों के अनुरूप अपनी स्टेनलेस अकेडमी के जरिये इस परिवर्तन का नेतृत्व कर कर रही है। इस पहल के जरिये छात्रों, युवा पेशेवरों और एमएसएमई (जिसमें फैब्रिकेटर्स भी शामिल हैं) को श्रेणी संबंधी जागरूकता और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप व्यवहारिक कौशल प्रदान करती है। इससे वैल्यू चेन मजबूत होती है और पूरे उद्योग में सतत विकास को बढ़ावा मिलता है।

शुरुआत से अब तक, स्टेनलेस अकेडमी **60,000** से अधिक एमएसएमई फैब्रिकेटर्स को प्रशिक्षित कर चुकी है। इसके अलावा, विशेष स्टेनलेस स्टील कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग **9,000** इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के छात्रों को शिक्षित किया गया है, साथ ही उद्योग को और मजबूत बनाने के लिए कई इंडस्ट्री सत्र भी आयोजित किए गए हैं| इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, कंपनी ने अब पूरे भारत में **5** लाख से अधिक एमएसएमई तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है।

जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक श्री अभ्युदय जिंदल ने कहा, ***"आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मजबूत मानव संसाधन सबसे जरूरी है। स्टेनलेस*** *अकेडमी* ***हमारे इसी प्रयास का हिस्सा है, जहाँ हम वैल्यू चेन के हर स्तर पर ज्ञान और कौशल को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारा उद्देश्य एक सक्षम कार्यबल तैयार करने के साथ-साथ ऐसा माहौल बनाना है जो भारत की औद्योगिक वृद्धि को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाए|"***

ईकोसिस्टम को कुशल बनाने का समग्र दृष्टिकोण

स्टेनलेस अकेडमी में इकोसिस्टम के हर स्तर पर कौशल बढ़ाने, उद्योग से जुड़ा ज्ञान देने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समग्र तरीका अपनाया जाता है।

अकेडमी का मानना है किसी भी उद्योग की असली ताकत उसके कर्मचारी होते हैं। अकेडमी आईआईटी, एनआईटी और पॉलिटेक्निक कॉलेज जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर विशेष स्टेनलेस स्टील कोर्स का संचालन करती है। इससे भविष्य के हिसाब से तैयार प्रतिभाशाली कर्मचारियों का एक मजबूत समूह बनता है और छात्रों का पढ़ाई से नौकरी तक का सफर आसान होता है। इससे वे आधुनिक औद्योगिक चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर पाते हैं। संयुक्त रूप से किए जा रहे इस काम का एक हालिया उदाहरण कंपनी का एक एमओयू है। इसके तहत परिवहन, अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील के उपयोग के बारे में उन्नत शोध, अध्ययन और प्रशिक्षण किया जाना है। इसी समझौते के तहत वडोदरा के गति शक्ति विश्वविद्यालय में इस महीने की शुरुआत से कक्षाएं औपचारिक रूप से शुरू हो गई हैं।

एमएसएमई फैब्रिकेटर्स के लिए, अकेडमी पूरे भारत में व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती है ताकि वे स्टेनलेस स्टील की गुणवत्ता और फायदे अच्छी तरह से समझ सकें और सही सिफ़ारिश चुन सकें। स्टेनलेस अकेडमी अपने महत्वाकांक्षी फैब्रिकेटर ट्रेनिंग प्रोग्राम्स (एफटीपी) के जरिये जमीनी स्तर पर फैब्रिकेशन तकनीक, डिजाइन और गुणवत्ता मानकों की ट्रेनिंग देती है। इसके अलावा, डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्री के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिससे कर्मचारियों की क्षमता बढ़ती है। ये सत्र कार्यशाला और क्लासरूम दोनों रूप में होते हैं, ताकि प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव और असली कामकाज में इसे इस्तेमाल करने का तरीका पता चले।

अकेडमी ऐसे उद्योग सत्र भी आयोजित करती है, जिनसे कंपनियों को अपने कामकाज को आधुनिक बनाने, डिजिटल तकनीकों को अपनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने मदद मिले।

(स्टेनलेस अकेडमी की वैन राज्यों में घूमकर व्यावहारिक प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती हैं और प्रदर्शनी व रोडशो के जरिए समुदायों तक पहुंचती हैं।)

कौशल विस्तार को बढ़ावा

साल 2030 तक 5 लाख से अधिक एमएसएमई को प्रशिक्षित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ, स्टेनलेस अकेडमी भारत के प्रमुख स्टेनलेस स्टील क्लस्टर्स–जैसे गुजरात, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल–में अपनी पहुंच लगातार बढ़ा रही है। शहरी और ग्रामीण दोनों समुदायों को साथ लेकर यह पहल आधुनिक कौशल विकास के अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करती है।

*जिंदल स्टेनलेस के कॉरपोरेट **अफेयरस** के निदेशक श्री विजय शर्मा ने कहा, "स्टेनलेस स्टील, दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वैल्यू-एडेड मेटल में से एक है। यह देश के लगभग हर महत्वपूर्ण सेक्टर की नींव है। जैसे-जैसे उद्योग परिदृष्य बदल रहा है, वैसे-वैसे उसे चलाने के कौशल भी| स्टेनलेस अकेडमी के जरिये **हम निरंतर सीखने और कौशल-वृद्धि की संस्कृति को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं – ऐसी संस्कृति, जो नई तकनीकों, प्रक्रियाओं और संभावनाओं के साथ कदम मिलाकर चले।**यह सिर्फ आज के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की बात नहीं है, बल्कि भविष्य के कर्मचारियों को तैयार करने का प्रयास है।"*

कॅपिटल गुड्स एसएससी और आयरन एंड स्टील एसएससी जैसे सेक्टर स्किल्स काउंसिल्स के साथ मिलकर स्टेनलेस स्टील के पाठ्यक्रम को और बेहतर बनाया गया है। इसके अलावा, स्टेनलेस अकेडमी एनएसडीसी से मान्यता प्राप्त साझेदारों के साथ काम करके अपनी पहुंच और बढ़ा रही है।

भविष्य की तैयारी

जिंदल स्टेनलेस अकेडमी का काम भारत के औद्योगिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लक्ष्य के साथ गहराई से जुड़ा है। तकनीकी प्रशिक्षण, औद्योगिकी सहयोग और समुदाय से जुड़ाव के जरिये, कंपनी भारत के स्टेनलेस स्टील उद्योग को सशक्त और भविष्य के लिए तैयार कर्मचारी प्रदान कर रही है, जो आने वाले दशकों तक औद्योगिक प्रगति की नींव बन जाएंगे।

जिंदल स्टेनलेस के बारे में

भारत की अग्रणी स्टेनलेस स्टील निर्माता, जिंदल स्टेनलेस का वित्त वर्ष 2025 में वार्षिक कारोबार 40,182 करोड़ रुपये (4.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और यह 2027 तक अपनी वार्षिक मेल्ट क्षमता बढ़ाकर 4.2 मिलियन टन पहुंचाने के लिए अपनी इकाइयों के सुदृढ बना रहा है। मार्च 2025 तक भारत और विदेश में स्पेन व इंडोनेशिया समेत इसकी कुल 16 स्टेनलेस स्टील विनिर्माण और प्रसंस्करण इकाइयां हैं और 12 देशों में एक विश्वव्यापी नेटवर्क है। मार्च 2025 तक भारत में कंपनी के दस बिक्री कार्यालय और छह सेवा केंद्र हैं। कंपनी के उत्पादों में स्टेनलेस स्टील स्लैब, ब्लूम्स, कॉइल्स, प्लेट्स, शीट्स, प्रिसिजन स्ट्रिप्स, वायर रॉड, सरिया, ब्लेड स्टील और कॉइन ब्लैंक शामिल हैं।

जिंदल स्टेनलेस अपनी लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए अपने एकीकृत परिचालन पर निर्भर है। 1970 में स्थापित, जिंदल स्टेनलेस नवाचार और जीवन को समृद्ध बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित है और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध है।

जिंदल स्टेनलेस पर्यावरणीय जिम्मेदारी से प्रेरित, हरित, टिकाऊ भविष्य पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। कंपनी इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में स्क्रैप का उपयोग करके स्टेनलेस स्टील का निर्माण करती है, जिसमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है, गुणवत्ता में कोई कमी नहीं होती और पुनर्चक्रण संभव होता है।

जिंदल स्टेनलेस को फॉलो करें:

Website: https://www.jindalstainless.com/press-releases
X- https://x.com/Jindal_Official
Facebook- www.facebook.com/JindalStainlessOfficial
LinkedIn- www.linkedin.com/company/jindal-stainless/
MD, Jindal Stainless, LinkedIn handle- https://www.linkedin.com/in/abhyuday-jindal/
MD, Jindal Stainless, X handle- https://x.com/abhyudayjindal

जिंदल स्टेनलेस से जुड़ें:

Sonal Singh | sonal.singh@jindalstainless.com | 011-41462140
Nisha Rawat | nisha.rawat@jindalstainless.com | 011-41462129